एकल नारी शक्ति संस्थान – राजस्थान

वार्षिक प्रतिवेदन
1 अप्रेल 2017 से 31 मार्च 2018

क्षेत्रीय कार्यालय : 3, पीपल्दा हाउस, राजभवन रोड़, सिविल लाईन कोटा : 324008 (राज0)

फोन नं. : 0744–2450726

रजि0 कार्यालय : 39, खारोल कॉलोनी, उदयपुर –313004 (राज0)

फोन नं0 : 99294–20703

ई–मेल : ensskota@gmail.com

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पेज नं0
1.	➢ आवरण पृष्ठ	0
2.	➢ अनुक्रमणिका	1
3.	➢ संस्थान की पृष्ठभूमि, लक्ष्य व उद्देश्य	2
4.	➢ सफल केस स्टडी बच्चो के भविष्य का सवाल था....... ➢ इस वर्ष की कार्यकारिणी सदस्य बैठकें	3
5.	➢ सफल केस स्टडी ▪ भारत की नारी चुनौतियो से ना हारी.....	4
6.	➢ अन्य विशेष गतिविधियॉ ▪ महिला सशक्तिकरण दिवस धूमधाम से.... ▪ राज्य स्तरीय बहिनादूज	5–8
7.	➢ सफल केस स्टडी ▪ कौन कहता है? एकल महिला	9
8.	➢ नेटवर्किंग ▪ एशिया पेशिफिक क्षेत्र के .... ▪ संस्थान सदस्यो ने तेलगांना मे ..... ▪ रांची मे राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार......	10–12
9.	➢ संस्थान की एक वर्ष की उपलब्धियॉ ▪ महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र..... ▪ संस्थान सदस्यो द्वारा स्थानीय स्तर पर डोनेशन....... ▪ संस्थान द्वारा वर्ष मे किये गये कार्यो के आंकड़े	13–14

एकल नारी शक्ति संस्थान – राजस्थान

1 अप्रेल 2017– 31 मार्च 2018

❖ पृष्ठभूमि –

एकल नारी शक्ति संस्थान राजस्थान की गरीब मजबूत एकल महिलाओ की एक संस्था है। जिसमे सभी आय, वर्ग, धर्म व जाति की बहिने जुडी हुई है। संस्थान राजस्थान मे एकल महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक सशक्तिकरण करने के उद्देश्य से पिछले 18 वर्षो से राज्य मे कार्य कर रहा है। असंगठित रुप से अपनी समस्याओं के समाधान, हक अधिकारो के लिए जूझ रही एकल महिलाओं को समाज की मुख्य धारा से जोडने, उन्हे अपने हक अधिकार के साथ सम्मानपूर्ण व बेहतर जीवन के लिए प्रया**सरत है।**

इसके लिए संस्थान द्वारा एकल महिलाओं की मजबूती के लिए समय–समय पर गतिविधिया आयोजित की जाती है। संस्थान द्वारा अप्रेल 2017 से मार्च 2018 तक विभिन्न प्रकार की निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गई।

संस्थान का लक्ष्य

सभी समाज की गरीब एकल महिलाऐं पारस्परिक सहयोग से अपनी शारीरिक मानसिक,पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एंव कानूनी स्थिति में सुधार लाकर सशक्त नागरिक बने और गुणवत्तापूर्ण जीवन जीयें। इस संघर्ष की प्रकिया में अपने में और समाज में शक्ति का संचार करे।

संस्थान का उद्देश्य

- एकल महिलाओं को एकल महिलाओ से जुडी सरकारी योजनाओं व कानूनो की जानकारी देना।
- एकल महिलाओं पर होने वाली हिंसा व अत्याचार को रोकने का प्रयास व न्याय दिलवाने मे सहयोग करना।
- जमीन सम्पत्ति सम्बन्धी अधिकार दिलाने का प्रयास।
- एकल महिलाओं से जुड़ी सामाजिक कुरितियो मे बदलाव का प्रयास।
- एकल महिलाओं मे ऐसा समन्वय स्थापित करना जिससे वो एक–दूसरे की दुख दर्द मे मदद कर सके।
- आय संवर्धन योजनाओ से लिंक करना जिससे आर्थिक सशक्तिकरण हो सके।

सफल केस स्टडी

बच्चों के भविष्य का सवाल था, चुप कैसे रहती ? : प्रेमवती

✌ "मुसीबतें सिखाती है इंसान को, जिन्दगी जीने का हुनर,
बहनों.... कामयाबी का मिलना कोई इत्तेफाक नहीं होता।"

प्रेमवती पत्नि सुरेश जाटव, ग्राम पंचायत नखसोदा, तह. बाड़ी, जिला धौलपुर की एक गरीब विधवा महिला है। जो संस्थान से करीब 8 साल से जुड़ी हुई है। इनके गांव में सरकारी स्कूल है जो 10 वीं तक बना हुआ है जिसमें पानी व बिजली की व्यवस्था नहीं थी। अतः बच्चे पानी पीने के लिए हाई–वे रोड़ पार करके घर आते थे जिससे बच्चों की जान को खतरा था। इस समस्या का समाधान करने के लिए प्रेमवती ने गांव में लोगों से जनप्रतिनिधियो से चर्चा की लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इससे परेशान होकर प्रेमवती 8 अन्य एकल महिलाओं के साथ धौलपुर जिला कलेक्टर शुची त्यागी से मिलने गयी काफी इंतजार के बावजूद भी जब कलक्टर साहिबा बिना मिले मिटिंग में जाने लगी तो प्रेमवती ने बाहर निकलते ही उनका हाथ पकड़ लिया और स्कूल की पानी व बिजली की समस्या के बारे में बताया और संस्थान से जुड़ी होने का परिचय भी दिया।

इसके पश्चात् 10–15 दिन बाद स्कूल में बिजली की व्यवस्था हो गयी लेकिन पानी की व्यवस्था नहीं हो पायी। प्रेमवती ने पूर्व सरपंच से बात करके स्कूल में पानी की व्यवस्था करवायी। प्रेमवती व संस्थान की बहिनो के प्रयास से बरसो से चली आ रही समस्या का समाधान हुआ। और प्रेमवती ने कहा कि संस्थान से जो जनकारी व आत्मविश्वास मिला उससे यह सब संभव हो पाया।

वार्षिक गतिविधियॉ

कार्यकारिणी सदस्य बैठक

संस्थान कार्यकारिणी सदस्य बैठक वर्ष मे तीन बार आयोजित की है व आवश्यकता पडने पर ज्यादा बार भी हो सकती हैं। इस वर्ष 3 कार्यकारिणी सदस्य बैठक आयोजित हुई। इस बैठक मे संस्थान आमसभा कमेटी द्वारा लिये गये निर्णयो का क्रियान्वयन, काम मूल्यांकन किया गया, संस्थान के प्रशासनिक कार्यो की जिम्मेदारी दी गई, बजट, वार्षिक गतिविधिया व आयोजना बनायी गई व संस्थान के कार्य मे आने वाली समस्याओं के समाधान पर चर्चा कर समस्याओं का समाधान किया गया।

❖ **इस वर्ष की कार्यकारिणी सदस्य बैठकें :**

– प्रथम बैठक : 18 नवम्बर, 2017 स्थान, उदयपुर, संभागी – 9 कार्य0 3 सहयोगी
– द्वितीय बैठक : 16 दिसम्बर, 2017 स्थान, उदयपुर संभागी – 10 कार्य0 3 सहयोगी
– चतुर्थ बैठक : 10 मार्च, 2018 स्थान, कोटा संभागी – 10 कार्य0 3 सहयोगी

✌ भारत की नारी चुनौतियों से ना हारी

ijs'kkfu;ksa ls Hkkxuk vklku gksrk gS]
gj eqf'dy ftUnxh esa ,d bfErgku gksrk gSA

आखिर शराब ठेकेदार ने मानी हार......

कविता ब्लॉक लाडनूं, जिला नागौर की रहने वाली है। संस्थान में कुछ साल से जुड़ी हुई है। कविता के घर के पास शराब का ठेका खुल गया था। कविता के घर वालों ने उस ठेकेदार को बहुत समझाया लेकिन वो नहीं माना और गाली गलोच देकर लड़ने–झगड़ने लगा। फिर इन्होंने एकल महिलाओं को इकट्टा कर थाने मे रिर्पोट दर्ज करवायी साथ ही मोहल्ले के सारे महिला तथा पुरूषों को घर–घर जाकर समझाया कि हमारे मोहल्ले में शराब का ठेका खुल रहा है, यह हमारे लिए अच्छा नहीं है। शराब पीकर लोग गालियां देंगे और झगड़ा करेंगे तथा बुरी–बुरी हरकते करेंगे। हमारे बहन बेटी और सारी महिलाऐं परेशान होगीं तो पहले तो सारे मान गये कि ठेका नही खुलने देगे लेकिन बाद मे ठेकेदार ने उनको धमका दिया तो बहुत सी महिलाओं और पुरूषें ने सामने बोलने से मना कर दिया। केस करने के बावजूद उसने फिर भी शराब का ठेका जारी रखा। फिर उन्होंने वापिस शिकायत की और दो–तीन दिन दुकान पर धरना दिया और पटवारी की सहायता से सदस्यों ने वापिस उस पर स्टे ऑर्डर निकलवाया। और पटवारी व ग्राम सेवक ने आकर ठेकेदार को पाबन्द कर दिया कि आप यहां किसी भी प्रकार से शराब की दुकान नहीं लगायेंगे। उसके बाद वहां से ठेका हट गया है। कविता ने कहा कि मै जहां बोलना नही जानती थी आज संस्थान की शक्ति के कारण इतनी बडी समस्या का समाधान कर पायी। सभी मोहल्ले के लोगो ने कविता को धन्यवाद दिया।

अन्य विशेष गतिविधियों पर एक नजर

धूमधाम से मनाया महिला सशक्तिकरण दिवस

हिम्मत हारने वालों को

कुछ नहीं मिलता जिन्दगी में,

और मुश्किलों से लड़ने वालों के

क़दमों में ही तो जहां होता है।

"**1 जून** हर साल की तरह इस साल लगभग 5,750 एकल बहिनो ने की बहनों ने 1 जून महिला सशक्तिकरण दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया। जिसमें एकल व अन्य बहिनो, सामाजिक संगठन/ संस्थाओं व शहर के उन गणमान्य नागरिकों ने जोश व उत्साह के साथ भाग लिया जो महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की सोच रखते हैं।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न संस्था/संगठनों ने व बहनों ने अपने–अपने विचार रखे एवं अपनी–अपनी समस्याऐं बताई जिसमें पेंशन बढ़ोत्तरी, पीडिएस में कम अनाज, महंगाई, आवास, एकल महिलाओं का बीपीएल सूची में नाम आदि समस्याऐं निकलकर आयीं।

जिस पर एक मसौदा तैयार किया गया और ब्लॉक व जिला स्तर पर यह मांगपत्र अपने–अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारियों को सोंपा गया।

सुनो म्हाकी समस्या........

राज्य स्तरीय अनूठा त्यौहार "बहिना दूज" जश्न बहिनचारे का "

एकल बहिनों ने धूमधाम से मनाया "बहनादूज" जश्न बहिनचारे का....

तेरा दर्द मेरा दर्द, दोनो एक जैसा है।
तेरा मेरा पाक रिश्ता, गीता कुरान जैसा है।

प्रस्तावना : संस्थान द्वारा नवम्बर 2016 मे की गई "बहिनादूज जश्न एक बहिनचारे" एक सराहनीय जश्न/उत्सव बना और उसी कार्यक्रम को बहिनो ने बहुत सराहा और निर्णय लिया कि हम प्रति वर्ष राज्य स्तर पर यह कार्यक्रम आयोजित करेगे। बहिनो का सोच है कि समाज मे जहा यह धारणा बनी हुई है कि महिला– महिला की दुश्मन है ऐसी धारणा सोच समाज से समाप्त होना चाहिए। और महिला से महिला का रिश्ता जोडने मजबूत करने की आज की समय की बडी आवश्यकता है।

राज्य स्तर पर झालावाड जिले मे संस्थान की बहिनो ने धूमधाम से मनाया बहिनादूज कार्यक्रम

23–24 अक्टूबर 2017 को अग्रसेन सेवा सदन, झालावाड़ मे बहिनादूज कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका उद्घाटन झालावाड जिला प्रमुख टीना भील ने किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम मे राजस्थान के 22 जिलो की 195 एकल महिलाओं ने भाग लिया।

समाज में बनी सामाजिक कुरितियों को तोडते हुऐ सभी बहिनो ने लाल चुनरिया ओढ कर एक दुसरे का तिलक लगाकर रक्षा व प्रेम का सूत्र बांधा और एक साथ एक दुसरे के हाथ पकडकर वादा किया प्रण लिया। कि "**हम ना हिंसा करेगे ना खुद सहन करेगे और ना ही किसी महिला पर होने देगे।** सभी ने एक दुसरे पर फूलो की बारिश की व जोश पूर्ण गीत नारो से पूरा हॉल गूंजायमान कर दिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य :

बहिन– बहिन के रिश्ते को अहमियत देना, समाज में महिलाओं को दोयम दर्जे पर रखा गया है। उन्हें समानता का अधिकार मिले। और महिला ही महिला की दुश्मन है, यह नजरिया व धारणा समाज से खत्म हो।

कार्यक्रम के दोरान बहिनों के विचार –

मानकंवर, सदस्य

मांनकवर कोटा ने कहा कि एक जुमला है, “महिला–महिला की दुश्मन है” यदि ऐसा होता महिला ही महिला की दुश्मन होती तो आज हजारो लाखों महिलाऐ देश मे संगठित नही होती। और हम भी यहॉ नही होते।

गजराज कंवर,

गजराज कंवर : ने कहा कि पति की मृत्यु के 22 साल बाद तक कभी चुनडी नही ओढी मेंरी चुनडी तो गल गई रखी – रखी, आज बहू ने अपनी चूनडी निकाल कर दी तो बहुत अच्छा लग रहा है। ऐसी कुरितियॉ क्या काम की जो मन को दुखाये। जीवन बार बार थोडी ना मिलता है।

अकीला बानो ने कहा कि जब हम पिछले साल इस कार्यक्रम के बारे मे लोगो से चन्दा व सहयोग मांगने गये तो कहा कि बहिना दूज मे तुम्हारा क्या काम यह तो हिन्दू त्यौहार है तब उनको बताया कि यह जश्न है बहिनचारे का और किसी धर्म जाति समुदाय का नही हम बहिनों का है। तो लोगो ने काफी सहयोग व मदद किया।

अकीला बानो

महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी जीएम सैयद द्वारा महिलाओं को डायन डाकन अधिनियम, जिला परिषद से अधिशासी अधिकारी राजेन्द्र निमिष द्वारा महिलाओं को ग्रामीण क्षेत्र मे आवास, रीना शर्मा व नन्दकंवर तंवर ने महिलाओं को नरेगा मे कैसे ज्यादा से ज्यादा महिलाऐ जुडकर फायदा ले सकते है, इसके बारे मे बताया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह मे समाज के लिए उत्कृष्ठ कार्य करने वाली 17 एकल महिलाओ को डा0 जीनी श्रीवास्तव व संस्थान पदाधिकारियो द्वारा सम्मानित किया गया। व रैली आयोजन के साथ अति0 जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम एकल महिलाओ की समस्याओ का ज्ञापन सोंपा गया।

जिसमे मुख्य समस्याऐ है –

1. पीडीएस मे सभी गरीब एकल महिलाओं को 35 किलों अनाज दिया जाये। क्योंकि 5 किलो पर्याप्त नही।
2. आवास योजनाओं मे प्राथमिकता से गरीब एकल महिलाओं को मकान आवंटित किये जाये।
3. नरेगा की मजदूरी बढायी जाये। सुनिश्चित किया जाये की एकल महिलाओं को पूरी मजदूरी मिले।
4. एकल महिला व उनके बच्चो की उच्च शिक्षा के लिए स्कालरशिप/फेलाशिप दी जाये।

बहिनादूज कार्यक्रम के लिए प्राप्त डोनेशन (रकम द्वारा)

क्र0	नाम भामाशाह	सहयोग/चन्दा
1.	नीरज शर्मा, पाटनपोल, कोटा।	10,000.00 रूपये
2.	गोविन्द यादव, छीपाबढ़ोद, बारां।	5100.00 रूपये
3.	आजाद हुसैन, झालावाड़।	5000.00 रूपये
4.	श्री शैलेन्द्र शर्मा।	5,000.00 रूपये
5.	श्री कंवर लाल।	5,000.00 रूपये
6.	श्रीमती आशा आर्य, प्रेमनगर, तृतीय जिला कोटा।	5,000.00 रूपये
7.	श्रीमती अन्नू यादव	5,000.00 रूपये
8.	श्री सुजात सिंह	2,100.00 रूपये
9.	श्री सुरेश चन्द	2,100.00 रूपये
10.	श्री प्रेम नारायण, झालावाड़।	2,000.00 रूपये
11.	श्रीमती कन्या बाई, ग्राम अघोरी, आहोर।	1,500.00 रूपये
12.	श्री मोहन लाल	1,100.00 रूपये
13.	शम्भु सिंह, खैराबाद, कोटा।	11,00.00 रूपये
14.	श्री नन्द किशोर	1,100.00 रूपये
15.	श्री प्रदीप अग्रवाल	1,100.00 रूपये
16.	श्री प्रेम नारायण, भुआखेड़ी, छबड़ा, जिला बांरा	1,100.00 रूपये
17.	श्री डी.पी. सिंह, ग्राम कोलसिया, जिला झंझनूं	1,000.00 रूपये
18.	श्री सोमित्र सिंह, अटरू, जिला बांरा	1,000.00 रूपये
19.	श्री मनोहर लाल, नसीराबाद।	1,000.00 रूपये
20.	श्री बाबू लाल नसीराबाद।	1,000.00 रूपये
21.	श्री रोशन लाल, झालावाड़।	1,000.00 रूपये
22.	श्री जगदीश चन्द, झालावाड़।	1,000.00 रूपये
23.	श्री बने सिंह, नसीराबाद, झालावाड़।	500.00 रूपये
24.	श्री चरत सिंह, नसीराबाद, झालावाड़।	500.00 रूपये
25.	श्री दीपचन्द, बकानी, झालावाड़।	500.00 रूपये
26.	श्री विनोद कुमार, झालावाड़।	500.00 रूपये
27.	श्री धनराज, नसीराबाद, झालावाड़।	500.00 रूपये
28.	श्री कमल, असनावर, झालावाड़।	500.00 रूपये
29.	बनास स्टोन, झालावाड़।	500.00 रूपये
30.	श्री जगदीश प्रसाद, मनोहरथाना, झालावाड़।	500.00 रूपये
31.	श्री किशन लाल	500.00 रूपये
32.	श्रीमती नीतू बाई कुमेर गेट, जिला भरतपुर।	500.00 रूपये
33.	श्री खलील अहमद, तह0 सेवर, जिला भरतपुर।	500.00 रूपये
34.	श्रीमती जरीना , तह0 लाडपुरा, जिला कोटा	500.00 रूपये
35.	श्रीमती उर्मिला, सांगोद, जिला कोटा	500.00 रूपये
36.	श्री राकेश राठौर, तह0 पीपल्दा, जिला कोटा।	500.00 रूपये
37.	श्री बनवारी, तह0 पीपल्दा, जिला कोटा।	500.00 रूपये
38.	श्री अख्तर मिस्त्री, तह0 पीपल्दा, जिला कोटा।	500.00 रूपये
39.	श्री सुरेश, तह0 पीपल्दा, जिला कोटा।	500.00 रूपये
40.	श्री असफाक, तह0 पीपल्दा, जिला कोटा।	500.00 रूपये
41.	श्री यूनुस, तह0 पीपल्दा, जिला कोटा।	500.00 रूपये
42.	श्रीमती झामू बाई, ग्राम खेड़ली, आहोर।	500.00 रूपये
43.	श्री बाल चन्द जी अग्रवाल	500.00 रूपये
44.	श्री राम विलास, तहसील छबड़ा, जिला बांरा।	500.00 रूपये
45.	श्रीमती प्रमिला मीना, अटरू, जिला बांरा	500.00 रूपये

कुल सहयोग राशि : 70,800.00 रुपये

व्यवस्थाओं हेतु प्राप्त सहयोग की सूचि

क्र0सं.	दान/सहयोग देने वाले साथी	सहयोग राशि का लागत मूल्य
1	अग्रसेन सेवा सदन, झालावाड आवास व्यवस्था की गई	20,000 रु. आवास में कम लेकर सहयोग किया।
2	अन्य सहयोगियो से भोजन सामग्री मे सहयोग।	15,000 रु. की सामग्री का सहयोग किया।
3	195 संभागियो द्वारा स्वयं का किराया वहन करके सहयोग दिया।	अनुमानित लागत राशिः 45,000 रुपये
	कुल सहयोग लागत राशि :	80,000.00

- 70,800 रु. केश /चेक डोनेशन द्वारा प्राप्त किये।
- आवास, भोजन, अन्य सहयोग लगभग 80,000 रु का आया।
- कुल डोनेशन (केश व काइन्ड) –1,50,800.00

कौन कहता है? एकल महिलाऐं कमज़ोर हैं

मीरी बाई ने अपने होंसले से चोरों को दिखाया थाने

एकल नारी कभी ना हारी ....

कोटड़ा तहसील क्षेत्र में अधिकतर गांव सड़क मार्ग से दूर ही रहे, वहां तक पहुंचना आसान नहीं हैं, दुर्गम पहाड़ियां, नदी–नाले, गांवों में प्रकाश व्यवस्था न होना जैसी स्थिति है। अगर इस क्षेत्र में रात्रि में कोई घटना घट जाये तो सहायता मिलना दूर की बात हैं, क्योंकि प्रशासन की पहुंच भी साधनों के अभाव में दूर है। इसी तरह की एक घटना एक अकेली रहने वाली मीरी बाई के साथ 6 अगस्त, 2017 को रात्रि में घटी जब वह अकेली सो रही थी। उसके पति की मृत्यु करीब 14 साल पहले हो चुकी है। तभी से मीरी बाई संस्थान के साथ जुड़ हुई है। मीरी बाई की मां भी संस्थान से जुड़ी हुई है। मीरी बाई के 6 बच्चे हैं। बच्चों का विवाह हो चुका है।

रीति रिवाजों के मुताबिक मीरी बाई ने भी नाता किया था। किन्तु पति ने उस पर बैठक व अन्य कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी थी। उसने सब से परेशान होकर 2 साल वहां रहने के बाद इस पति को छोड़ दिया और दौबारा उसी घर में आकर बच्चों के साथ रहने लगी। यहां संस्थान से जुड़ने से मीरी बाई अब काफी मजबूत हो गयी हैं। वो आत्म निर्भर है, पढ़ी लिखी नहीं होने के बावजूद भी मोबाईल फोन से सारा काम कर लेती है।

कैसे पकड़वाया मीरी बाई ने चौरों को : मीरी बाई पत्नि लसाराम जी, गांव हेराल, पंचायत–डांग, पंचायत समिति कोटड़ा, जिला उदयपुर की रहने वाली है। दिनांक 06.08.2017 को रात 12 बजे उनके घर में तीन चोर आये, वह कमरे के बाहर सो रही थी। चोरों के आने पर उसकी नींद खुल गई। 3 चोरों मे से एक घर के उपर गया और 2 घर के अन्दर गये। फिर मीरी बाई ने चुपके से उठकर कमरे को बंद कर दिया और फोन पर जोर–जोर से बात करने लग गई। ताकी चोरों को लगे की किसी से फोन पर बात कर रही है।

इतने में मीरी बाई ने अपने बेटों को और गांव वालों को बुला लिया। पुलिस को सूचना भी दे दी और पुलिस से कहा कि मैंने घर में चोर बंद करके रखे हैं। लेकिन पुलिस वालों ने सुबह आने की बात कही। सुबह पुलिस गांव में नहीं आयी क्योंकि मुख्य सड़क व गांव के बीच में बहने वाली नदी में काफी पानी था। तब मीरी बाई ने गांव वालों की मदद से चौरों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। बाद में पता लगा की एक चोर और था जो भाग गया था। आज भी सिंगो, किरण, पिन्टो नाम के तीनों चोर गोगुन्दा एवं बाली थाने में बंद है। चोर गांव के आस–पास के हैं ओर इन्होंने लोगों की मोटर साईकिले व अन्य चीजें भी चुराई हैं लेकिन पकड़े नहीं गये। मीरी बाई ने अपनी हिम्मत से अकेले होते हुए भी इन चोरों को पकड़ कर जेल करवायी। उसका कहना है कि यह हिम्मत और होंसला एकल नारी शक्ति संस्थान से जुड़ने से मुझे मिला हैं। कई प्रशिक्षणो मे मैने यह सब सिखा की यदि हिम्मत है तो कुछ भी कर सकते है।

"ना हारे है ना हारेगें कभी, यह किसी और से नही खुद से वादा किया है"

राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय अन्य संस्था/जनसंगठनों के साथ नेटवर्किंग

❒ एशिया पेसिफिक क्षेत्र के नारीवादी जमावड़े तक पहुंची संस्थान की बहिनें

दिनांक 6 से 9 सितम्बर, 2017 को थायलेंड राष्ट्र के चियांग मई शहर में संपूर्ण एशिया पेसिफिक क्षेत्र के 28 देशों से 300 से भी अधिक नारीवादी कार्यकर्ताओं ने तीसरे एशिया–पेसिफिक फैमिनिस्ट फोरम में भाग लिया।

तीन दिवस में 40 से भी अधिक कार्यशालायें व प्रस्तुतियां हुई। अलग–अलग देशों से आये प्रतिनिधियों ने अपने संस्था/संगठनों के संघर्ष के बारे में बताया। कुछ मुद्दे जो सामान्यतः सभी के कार्यों में सामने आ रहे हैं वह हैं :–

1. क्षेत्र के बहुत से देशों में धार्मिक कट्टरवाद बढ़ रहा है। जिसका महिलाओं और बच्चों पर सबसे बुरा असर दिख रहा है। महिला संगठन अमन, शांति व इंसानियत के धर्म को प्राथमिकता देने की बात कर रहे हैं।

2. महिलायें बड़ी संख्या में श्रमिकों के रूप में पूंजीवादी अर्थ व्यवस्था पर निर्भर है। उनके श्रम का सही मोल उनको नहीं मिल रहा है। वह कम वेतन पर जोखिम भरे कारखानों, खलिहानों, खेतों और बागानों में काम करने के लिए मजबूर हैं। पुरूष श्रमिक संगठन उनके मुद्दों व उनके नैतृत्व को आगे आने नहीं देते, इसलिए महिला श्रमिक स्वयं अपने संगठन बना कर अपनी लड़ाई लड़ रही हैं

3. धरती/पृथ्वी, प्रकृति के साथ हो रही हिंसा के चलते जलवायु परिवर्तन से होने वाला नुकसान भी महिलाओं को अधिक प्रभावित कर रहा है। जमीन से जुड़ी खेतीहर महिलायें फसल उगाने व अपने बच्चों का पेट पालने के लिए खासा संघर्ष कर रही हैं। पृकृति पर हो रही हिंसा के खिलाफ भी महिलाऐं एक जुट हो विकास की नई परिभाषा रचने का प्रयास कई देशों में व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर कर रही हैं।

4. पितृसत्ता आज भी लड़कियों व महिलाओं की जिन्दगी पर हावी है। लड़कियों के संगठन शिक्षित होने, काम काज करने के अधिकारों के लिये लड़ रही हैं। वह अपने शरीर पर अपना अधिकार चाहती हैं। उनका श्रम, उनकी लैंगिकता या उनकी प्रजनन की शक्ति, वह चाहती हैं कि यह उनके अधिकार में हो न की समाज–शासन के।

और बदलाव के प्रति जो हमारा आशावान नजरिया है, उसे केन्द्र में रखते हुए छोटी–छोटी सफलताओं की और लगातार काम करते रहना होगा।

इस कार्यक्रम में राजस्थान एकल नारी शक्ति संस्थान से अध्यक्ष कमल पथिक व सहयोगी कार्यकर्ता पारूल और बरखा ने भाग लिया। बैठक के दौरान हुई अलग–अलग कार्यशालाओं में एकल महिलाओं के मुद्दों को रखा गया और साथ ही आखिरी दिन के समापन सत्र में सभी साथियों से एकल महिलाओं के संघर्षों को बल व समर्थन देने का आव्हान किया।

❑ संस्थान सदस्यो ने तेलंगाना में सरकार व एनजीओ का नरेगा में तालमेल पर सेमीनार मे भागीदारी

- **संस्थान सदस्यों ने निभाई भागीदारी।**
- **तेलंगाना राज्य ने की अनुठी पहल की शुरूआत।**
- **तेलंगाना में सरकार व एनजीओ के तालमेल से किये जा रहे नरेगा कार्य।**

दिनांक 6 से 9 सितम्बर, 2017 को आन्ध्रप्रदेश में चार दिवसीय कार्यशाला ''नेशनल वर्कशॉप ऑन द रूरल लाईवलीहुड्स एण्ड एम्पलोयमेन्ट'' का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला में 6 राज्यों के लोगों ने भाग लिया, जिसमें राजस्थान, गुजरात, बंगाल, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश व आन्ध्रप्रदेश से कुल 45 संभागी थे। सीआरएसडी संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य बिन्दू नरेगा के कार्य पर चर्चा करना था।
कार्यशाला के प्रथम दिन सीआरएसडी संस्थान के द्वारा किये जा रहे नरेगा संबन्धित कार्यों के बारे में बताया गया कि वर्ष 2006 में नरेगा का कानून आया तभी से विभिन्न संगठन व एनजीओ यहां पर हो रहे नरेगा कार्यो की देख–रेख कर रहे हैं।

वर्ष 2008 में आन्ध्रप्रदेश की राज्य सरकार ने माना कि क्षेत्र के विकास के लिए एवं नरेगा के बेहतर क्रियान्वयन में एनजीओ के सहयोग की भी आवश्यकता है। इसके लिए सरकार ने एनजीओ के साथ जिला स्तर व राज्य स्तर पर एक मंच बनाया। सरकार इसे एक इतिहास बनाना चाहती थी क्योंकि इस प्रकार का प्रयास अन्य राज्यों में नहीं हुआ था। इस मंच में जिसे श्रम शक्ति संघ नाम दिया गया इसमें जनता के लोग, टीचर, पत्रकार एवं एनजीओ आदि शामिल हुए।

150 लोगों से शुरू हुए इस संघ में आज लगभग 1000 लोग जुड़े हैं। 20 छोटे श्रम शक्ति संघ पर एक बड़ा संघ जिसकी बैठक प्रत्येक सप्ताह होती है। प्रदेश के सभी गांवों में 10–15 की संख्या में श्रम शक्ति संघ बनाये गये हैं। इस प्रकार 3 लाख 23 हजार श्रम शक्ति संघ प्रदेश में बने हुए हैं। संघ के कार्यों में नरेगा कार्य का अनुमोदन करना, आर्डर लेना, कार्य की तारीख तय करना, कार्य की निगरानी करना, मस्टरोल बनाना, भुगतान करना आदि है। वर्तमान में तेलंगाना में 1 करोड़ 20 लाख जॉब कार्ड है एवं 40 प्रतिशत लोग काम कर रहे हैं। इसके लिए 20 ग्राम पंचायतों पर एक मण्डल बना हुआ है। कार्यशाला में आये संभागियों को फील्ड कार्यों से रूबरू करवाने हेतु विजिट करवायी गयी। जिसमें संभागियों ने देखा की नरेगा के तहत शौचालय निर्माण, सड़कें निर्माण, पानी इकट्टा करने हेतु छोटे–छोटे तालाब निर्माण, खेतों में आम के वृक्ष लगाना जैसे कार्य किये गये हैं।

कार्यशाला में बताया कि अन्य राज्यों में नरेगा की स्थिति ठीक नहीं है। अतः इस पर सभी 6 राज्यों से आये संभागियों की राय जानने के पश्चात् उनकी सहमति से तय किया गया कि एक राष्ट्रीय मंच बनाया जाना चाहिए।

❑ रांची मे राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की बैठक मे निभाई भागीदारी

झारखण्ड राज्य की महिला आयोग अध्यक्ष डा0 कल्याणी शरण

रांची, 27 नवम्बर 2017 को 11 राज्यों से, 125 से भी अधिक महिलायें राजधानी रांची में 27 – 28 नवम्बर को होने वाली दो दिवसीय राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की बैठक में भाग लेन देश के कोने कोने से पहुंची हैं। इस दो दिवसीय बैठक मे एकल महिलाओं से संबंधित मुद्दों, और सभी एकल महिलाओं के गरिमापूर्ण जीवन जीने के अधिकार की पूर्ति के लिये रणनीति बनायी गयी। और एकल होने के बाद जीवन संघर्ष के अपने अनुभवों को बाटें गये। इस बैठक मे राजस्थान से एकल नारी शक्ति संस्थान से 11 एकल बहिनो ने भाग लिया।

इस बैठक मे राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच, जो कि एकल विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा, उम्रदराज अविवाहित, ऐसी महिलाएं जिनके पति लापता हैं। यह मंच असंगठित एकल महिलाओं को सम्पर्क करने व एकल महिलाओं से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को दृश्यता प्रदान करने का अवसर प्रदान करता है। बैठक में भाग ले रही सभी एकल महिलायें राज्य स्तरीय एकल महिला संगठनों से जुड़ी हैं और एकल महिलाओं के मुददों पर अपने–अपने समुदाय में नेतृत्व प्रदान कर रही हैं। इस वर्ष बैठक में एकल महिलाओं द्वारा बच्चों के लालन पालन में आने वाली समस्याओं व परित्यक्ता महिलाओं के सही आंकड़ों की आवश्यकता पर बात करेंगी।

बैठक के उद्घाटन सत्र में झारखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ0 कल्याणी शरण भी पधारी। महिलाओं को उद्बोधित करते हुये उन्होंने एकल महिलाओं की शक्ति को सरहाते हुये कहा कि यह महिलायें ही हैं जो पुरुषों के बीच मझदार में छोड़ने के बावजूद भी अपना दायित्व नहीं भूलती और बच्चों के लालन पालन के लिये मॉ व पिता दोनों की ज़िम्मेदारी पूरी करती हैं। उन्होंने समाज की समीक्षा करते हुये यह भी कहा कि अन्याय महिला के ही साथ हमेशा होता है, बचपन सी ही उन्हें पीछे रखने की सभी कोशिशों के बावजूद महिला और लड़कियां आगे आकर सफल हो रही हैं। उन्होंने एकल महिला मंच के कार्य को सराहा और कहा कि हर वो महिला जो मंच की मदद से खड़ी हो रही है वह समाज और देश को बना रही है।''

मंच की अध्यक्ष निर्मल चंदेल ने एकल महिलाओं की समस्या पर प्रकाश डालते हुये कहा कि – ''एकल महिलाओं की तादाद बहुत अधिक है, और स्थिति बहुत संवेदनशील। पितृसत्ता में महिलायें पुरुष से नहीं 'जुड़ी' है, 'आसान शिकार' के रूप में हिंसा, दुर्व्यव्हार, भेद भाव और शोषण का रोजाना सामना करती हैं । सेन्सस के आंकड़े दिखाते है कि जहां कुल में से केवल 13.2 फीसदी परिवार ही महिला मुखिया परिवार हैं, और एकल व्यक्ति के परिवार, या अकेले रहे लोगों को देखें तो कुल में से महिलाओं का प्रतिशत 57.6 है। यानि भारत में 59,36,636 महिलाएं अकेली रह रही है। इनमें से अधिकांश वरिष्ठ नागरिक है। आज भी जायदाद, रुपया–पैसा, जमीन आदि पुरुषों के ही स्वामित्व में है, जिससे कि महिलाएं, खासकर एकल महिलायें बड़ी तादाद में गरीबी का सामना कर रही हैं।''

अलग–अलग राज्यों से आई प्रतिनिधियें ने अपने राज्य मे हो रहे संगठनात्मक काम व मुद्दें का अनुभव साझा किया व राज्य सरकारों द्वारा संचालित एकल महिला हितैषी योंजनाओं के बारें मे भी बताया जिसमें मुख्य रुप से निकलकर आया कि सबसे बेहतर योजनायें राजस्थान, हिमाचल, पुडुचेरी में है।

इस वर्ष की संस्थान की उपलब्धियॉ

महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र – कोटा

राजस्थान सरकार द्वारा 2011 मे महिला सुरक्षा एंव सलाह केन्द्र, कोटा शहर संचालित करने की जिम्मेदारी एकल नारी शक्ति संस्थान को दी गई है। संस्थान पिछले 8 सालो से केन्द्र का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है।

जिसमे इस वर्ष 2017–2018 मे केन्द्र द्वारा प्राप्त प्रकरण 428 व 421 मे सलाह, परामर्श व मार्गदर्शन देकर समस्या का निदान किया गया। मुख्य रुप से कुछ आकड़े है –

- 20 महिलाओ को स्त्रीधन दिलवाने मे सहयोग।
- 22 महिलाओ को उनके बच्चो की अभिरक्षा दिलवायी।
- 15 एफआईआर दर्ज करवाने मे सहयोग जिनमे समस्या आ रही थी।
- 5 निराश्रित महिलाओं को आश्रय दिलवाया।
- 109 महिलाओं को वैवाहिक घर मे रहने के महिला अधिकारो का संरक्षण।
- 8 महिलाओ को विधिक सहायता दिलवायी।
- 5 महिलाओ को रोजगार से जोडा
- 58 महिला घरेलू हिंसा संरक्षण केस दायर करने मे सहयोग।
- अन्य विभिन्न प्रकार की समस्या मे सलाह, मार्गदर्शन व परामर्श के माध्यम से पिड़ित महिलाओं को सहयोग किया।

संस्थान सदस्यो द्वारा एकत्रित डोनेशन रिकार्ड 2017–2018

- ☞ **सदस्यों द्वारा स्थानीय पर चन्दा की गई राशि पैसो के रुप में – 1,48,809.00**
- ☞ **कार्यक्रम मे व्यवस्थाओं व सहयोग के रुप में लिया गया डोनेशन जिसकी अनुमानित लागत राशि – 80,000.00**
- ☞ **संस्थान का सदस्यता शुल्क 1071.00**

कुल राशि काईन्डस एण्ड केश डोनेशन : 2,29,880.00

इस वर्ष संस्थान द्वारा सदस्यो द्वारा एकल महिलाओ के लिए किये गये कार्ये की सूची

1	पेशन फार्म भरवाये जिनमे से स्वीकृत फार्मो की संख्या	विधवा	863
		वृद्धावस्था	627
		परित्यकता	237
		विकलांग	308
2	काम/रोजगार मिला		**2175**
3	जॉब कार्ड बनवाये		1580
4	इन्दिरा /प्रधानमंत्री आवास योजना के फार्म भरवाये		1563
5	स्वीकृत हुए		469
6	स्वास्थ्य लाभ हेतु– मुफ्त दवा दिलवाई		3117
7	ऑपरेशन करवाये		454
8	महिला अत्याचार के केसो मे सहयोग कर न्याय दिलवाने का प्रयास	शारीरिक अत्याचार /हिंसा	48
		मानसिक अत्याचार /हिंसा	42
		यौनिक हिंसा	2
9	जमीन/सम्पत्ति संबधी केसो मे समाधान किया।	जमीन का बंटवारा	38
		जमीन पर कब्जा	46
10	कितने इंतकाल खाते खुलवाए जिनमे खुलने मे समस्या आ रही थी		237
11	एफआईआर दर्ज करवाने मे सहयोग और पुलिस केस करवाए	महिला अत्याचार	47
		जमीन संबंधी	43
		अन्य	
12	कितनी एकल महिलाओं ने संस्थान की मदद से रीति–रिवाजों, समाज द्वारा एकल महिला के लिए निर्धारित माप–दंड़ों में परिवर्तन लाया	एकल नारियों के लिए प्रतिबंधित रीति –रीवाजों में भाग लिया	2418